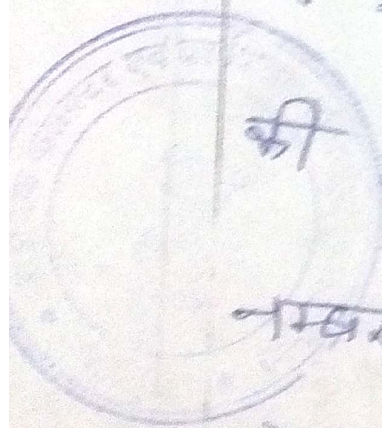


7/9/17

पत्रावली पेश। वारी अनुपाख्येव। वारी अनुपाख्येव। वारी अनुपाख्येव।
 अनुपाख्येव। - पद्यालय समय में प्रकाश
 अलग समय पर वारी पत्र के आवेग
 लगाई गई आई उपाख्येव नहीं। सब सुंदर
 पद्यालय समय समाप्त हो रहा है वर
 पुनः एक बार प्रकाश लगाई गई आई
 भी उपाख्येव नहीं। शतः वाद वारी पत्र
 की प्रकम हजरी व प्रकम पेशी में खालि
 की जाती है। पत्रावली शुमार फल्लेअ
 नाम्बर से कम होकर तकनील वाखिल प्रकम
 हो।



४

सहायक प्रमुख (आवक व प्रेषण) (आवक व प्रेषण)